

11. ग्राम श्री

प्र.1 कवि ने गाँव को 'हरता जन-मन' क्यों कहा है?

उत्तर वसंत ऋतु के आगमन पर चारों ओर पेड़-पौधों में हरियाली दिखाई दे रही है, जिस कारण पूरा गाँव हरा-भरा दिखाई दे रहा है। ऐसा लगता है जैसे मरकत यानी पन्ना नामक रत्न का डिब्बा किसी ने खोलकर रख दिया हो। गाँव की हरियाली हर किसी के मन को मोह रही है तथा अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इसलिए प्रकृति के मनमोहक दृश्य से परिपूर्ण गाँव को 'हरता जन-मन' कहा गया है।

प्र.2 कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है?

उत्तर कविता में वसंत ऋतु के सौंदर्य का वर्णन किया गया है, जिसमें हल्की ठंड होती है और जो लोगों को शीत ऋतु जाने के बाद बहुत राहत देती है। इसी कारण वसंत ऋतु आने पर मनुष्य से लेकर पेड़-पौधे तक प्रसन्न हो जाते हैं। चारों ओर पेड़-पौधों पर हरियाली दिखाई देती है। फसलें लहराती हैं तथा फल-फूल खिलने से प्रकृति और मनमोहक प्रतीत होती है।

प्र.3 गाँव को 'मरकत के डिब्बे-सा खुला' क्यों कहा गया है?

उत्तर गाँव की हरियाली को कवि ने मरकत के खुले डिब्बे जैसा बताया है, क्योंकि पन्ना हरे रंग का होता है। जब उसका डिब्बा खोल दिया जाता है, तो हरे रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग दिखाई नहीं देता है। चारों तरफ बिखरी हरियाली के कारण गाँव की स्थिति भी ऐसी ही है।

प्र.4 अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं?

उत्तर अरहर और सनई के पौधे जब पककर तैयार हो जाते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो खेत में सोने की करधनियाँ लगी हैं और उन करधनियों में से आवाज़ आ रही है। अरहर और सनई के पौधों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे धरती ने भी कमर में करधनी धारण की हुई है।

11. ग्राम श्री

प्र.5 भाव स्पष्ट कीजिए

(क) बालू के साँपों से अंकित गंगा की सतरंगी रेती

(ख) हँसमुख हरियाली हिम-आतप सुख से अलसाए-से सोए

उत्तर (क) गंगा किनारे की रेत, जो लहरों के कारण दूर-दूर तक फैली हुई है, पर जब सूर्य की किरणें पड़ती हैं, तब वह सतरंगी दिखाई देती है और लहरों के आने-जाने के कारण उस पर ऐसे निशान उभर जाते हैं, जैसे साँप के चलने से बनते हैं।

(ख) कठोर जाड़े के बाद जब वसंत ऋतु आती है और धूप में थोड़ी गर्मी आ जाती है, तब ठंड की मार को झेल रहे पेड़-पौधे भी धूप की गर्मी को पाकर कुछ अलसा-से जाते हैं और हँसमुख हरियाली भी आराम करने लगती है, ऐसा लगता है जैसे वह हँस रही है। हल्की-हल्की गर्मी के कारण हरियाली व धूप दोनों आलस्य में डूबे सोए हुए प्रतीत होते हैं।

प्र.6 निम्न पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

तिनकों के हरे-हरे तन पर

हिल हरित रुधिर है रहा झलक

उत्तर प्रस्तुत पंक्तियों में पुनरुक्तिप्रकाश, अनुप्रास और मानवीकरण अलंकारों का प्रयोग हुआ है।

अनुप्रास 'हिल हरित रुधिर है रहा' में 'ह' एवं 'र' वर्ण की आवृत्ति है।

पुनरुक्तिप्रकाश हरे-हरे

मानवीकरण तिनकों का तन तथा हरित रुधिर

प्र.7 इस कविता में जिस गाँव का चित्रण हुआ है, वह भारत के किस भू-भाग पर स्थित है?

उत्तर इस कविता में कवि ने किसी पर्वतीय या गंगा किनारे स्थित किसी (शायद वाराणसी या इलाहाबाद के आस-पास) गाँव का वर्णन किया है।

11. ग्राम श्री

रचना और अभिव्यक्ति

प्र.8 भाव और भाषा की दृष्टि से आपको यह कविता कैसी लगी? उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर 'ग्राम श्री' सुमित्रानंदन पंत की प्रसिद्ध कविता है, जो भाव एवं भाषा दोनों ही दृष्टि से सुंदर एवं सहज है। इस कविता में गंगा के किनारे के गाँव का अत्यंत मनोरम चित्रण प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न प्रकार की फसलों की छटा देखते ही बनती है। चारों तरफ हरियाली छाई है। भाषा की दृष्टि से भी कवि ने कोमल भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कोमल वर्णों एवं शब्दों का अत्यंत सावधानीपूर्वक प्रयोग किया है। भाषा में सहज भाव से विभिन्न अलंकारों का प्रयोग हुआ है, जो कविता की सुंदरता में चार चाँद लगाते हैं।

प्र.9 आप जहाँ रहते हैं उस इलाके के किसी मौसम विशेष के सौंदर्य को कविता या गद्य में वर्णित कीजिए।

उत्तर छात्र स्वयं करें।

Sources: Govindo Sir – Hindi Teacher, BMSSS

Hindi Guide Book